केन्द्रीय विद्यालय संगठन

पूर्व-परिषदीय परीक्षा-2020-21

कक्षा बारहवीं- अंक-80

विषय -हिंदी केन्द्रिक समय -3 घंटे

निर्देश :अ) इस पत्र के दो खण्ड हैं- अ और ब ।

आ) खंड 'अ' वस्तुपरक प्रश्नों का है और खंड 'ब; वर्णनात्मक प्रश्नों का है ।

इ) दोनों खण्डों का अंक भार 40-40 अंक है /

ई) यथासंभव प्रत्येक खंड का उत्तर क्रमशः दीजिए /

खंड -अ (वस्तुपरक)

1.निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x10=10

एक ज़माना था जब मुहल्लेदारी पारिवारिक आत्मीयता से भरी होती थी। सब मिल- जुलकर रहते थे । किसी का किसी से कुछ छुपा नहीं था। आज के लोगों को शायद लगे कि लोगों की अपनी. प्राइवेसी' क्या रही होगी, लेकिन इस प्राइवेसी के नाम पर ही तो हम एक- दूसरे से कटते रहे और कटते-कटते ऐसे अलग हुए कि अकेले पड़ गए। पहले अलग चूल्हे-चौके हुए, फिर अलग मकान लेकर लोग रहने लगे। निजी स्वतंत्रता को अपनी नई परिभाषा देकर यह एकाकीपन हमने स्वयं अपनाया है। मुहल्ले में आपस में चाहे कितनी चखचख हो, यह थोड़े ही संभव था कि बाहर का कोई आ कर किसी को कड़वी बात कह जाए । पूरा मोहल्ला टिड्डी-दल की तरह उमड़ पड़ता था। देखते- देखते ज़माना हवा हो गया। मुहल्लेदारी टूटने लगी, आबादी बढ़ी, महंगाई बढ़ी, पर सबसे ज़्यादा आँखों का शील मर गया। देखते - देखते कैसे रंग बदला है! लोग अपने आप में सिमट कर पैसे के पीछे भागे जा रहे है। सारे नाते-रिश्तो को उन्होंने ताक पर रख दिया है, तब फिर पड़ोसी से उन्हें क्या लेना-देना है। यह नीरस महानगरीय सभ्यता महानगरों से चलकर कस्बों और देहातों तक को अपनी चपेट में ले चुकी है। मकानों में रहने वाले एक-दूसरे को नहीं जानते । इन जगहों में आदमी का अस्तित्व समाप्त हो गया है। यदि आपको फ्लैट नंबर मालूम नहीं है तो उसी बिल्डिंग में होकर भी वांछित व्यक्ति को नहीं ढूंढ पाएँगे। ऐसी जगहों में किसी प्रकार के संबंधों की अपेक्षा ही कहाँ की जा सकती है?

1. 'प्राइवेसी' से तात्पर्य है
   i) निजता
   ii) आत्मीयता
   iii) मेल-जोल
   iv) भाईचारा
2. मुहल्लेदारी के बारे में क्या सच नही है ?
   i) आपस में मिलजुल कर रहना
   ii) दुःख-सुख में साथ देना
   iii) अपनी बात किसी से गुप्त न रखना

iv) आस-पड़ोस का हस्तक्षेप पसंद न करना

3. आज के व्यक्ति को 'प्राइवेसी' के नाम पर प्राप्त हुआ है

i) अलगाव और अकेलापन

ii) अपने में ही सीमित होने का आनंद

iii) संयुक्त परिवार की समस्याओं से मुक्ति

iv) मुहल्ले के झंझटों से छुटकारा

4. आज बहुत कठिनाई से प्राप्त होने वाली वस्तु है-

i) सम्बन्धों की महत्ता

ii) धन- संपत्ति

iii) आत्मीयता

iv) वैचारिक स्वतंत्रता

5. 'ताक पर रखना' का अर्थ है

i) अपेक्षा करना

ii) आशा रखना

iii) छोड़ देना

iv) निंदा करना

6. महानगरीय सभ्यता के बारे में सच है -

i)यहाँ लोग अपने आप में सिमट गए हैं

ii) आदमी का अस्तित्व समाप्त हो गया है

iii) इसका प्रभाव कस्बों और देहातों पर होने लगा है

iv) उपर्युक्त सभी

7. महानगरों में किस बात की अपेक्षा नहीं की जा सकती ?

i)आपसी संबंधों की

ii) प्राइवेसी की

iii) घनी आबादी की

iv) महँगाई की

8. 'हवा हो जाना' से तात्पर्य है -

i) उड़ने लगना

ii)वज़न कम होना

iii) गायब हो जाना

iv) इनमें से कोई नहीं

9. जब आदमी पैसे के पीछे भागता है तब-

i) आत्मीयता बढ़ती है

ii) सुख-दु:ख बाँटने लगता है

iii) सारे रिश्ते-नातों को भूल जाता है ।

iv) पड़ोसियों की मदद करता है

10. आज के ज़माने में महानगरीय जीवन के बारे में क्या सत्य नहीं है ?
    i) मुहल्लेदारी
    ii) पैसों के पीछे भागना
    iii) प्राइवेसी
    iv) अस्तित्व का खो जाना

अथवा

गाँधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों को मानव-मात्र की समानता और स्वतंत्रता के प्रति जागरूक बनाने का प्रयत्न किया । इसी के साथ उन्होंने भारतीयों के नैतिक पक्ष को जगाने और सुसंस्कृत बनाने के प्रयत्न भी किए । गाँधी जी ने ऐसे क्यों किया..? इसीलिए कि वे' मानव-मानव के बीच काले-गोरे या ऊँच-नीच का भेद ही मिटाना पर्याप्त नहीं समझते थे, वरन् उसके बीच एक मानवीय स्वाभाविक स्नेह और हार्दिक सहयोग का सम्बन्ध भी स्थापित करना चाहते थे । इसके बाद जब वे भारत आए, तब उन्होंने इस प्रयोग को एक बड़ा व्यापक रूप दिया । विदेशी शासन के अन्याय-अनीति के विरोध में उन्होंने जितना बड़ा सामूहिक प्रतिरोध संगठित किया, उसकी मिसाल संसार के इतिहास में अन्यत्र नहीं मिलती । पर इसमें उन्होंने सबसे बड़ा ध्यान इस बात का रखा कि इस प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना अथवा कोई भी ऐसी अनैतिक बात न हो जिसके लिए विश्व-मंच पर भारत का माथा नीचा हो । ऐसा गाँधी जी ने इसलिए किया क्योंकि वे मानते थे कि बंधुत्व, मैत्री, सद्भावना, स्नेह- सौहार्द आदि गुण, मानवता-रूपी टहनी के ऐसे पुष्प हैं जो सर्वदा सुगंधित रहते है ।

1. अफ्रीका में प्रवासी भारतीयों के पीड़ित होने का कारण था -
    i) निर्धनता- धनिकता पर आधारित भेदभाव
    ii) रंग-भेद और सामाजिक स्तर से संबंधित भेदभाव
    iii) धार्मिक भिन्नता पर आश्रित भेदभाव
    iv) विदेशी होने से उत्पन्न मनमुटाव
2. गाँधी जी अफ्रीका वासियों और भारतीय प्रवासियों के मध्य स्थापित करना चाहते थे-
    i) सहज प्रेम एवं सहयोग
    ii) पारिवारिक अपनत्व की भावना
    iii) अहिंसा एवं सत्य के प्रति लगाव
    iv) विश्व-बंधुत्व का सद्भाव
3. भारत में गाँधी जी का विदेशी शासन का प्रतिरोध किस बात पर आधारित था-
    i) संगठन की भावना पर
    ii) नैतिक मान्यताओं पर
    iii) राष्ट्रीयता के विचारों पर
    iv) शांति की सद्भावना पर
4. बंधुत्व, मैत्री आदि गुणों की पुष्पों के साथ तुलना आधारित है-

i) उनकी सुन्दरता पर

ii) उनकी कोमलता पर

iii) उनके अपनत्व पर

iv) उनके कार्य पर

5. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा-

i) अफ्रीका में गाँधी जी

ii) प्रवासी भारतीय और गाँधी जी

iii) गाँधी जी की नैतिकता

iv) गाँधी जी और विदेशी शासन

6. गांधीजी के किस कार्य की मिसाल विश्व में अन्यत्र नहीं मिलती ?

i) अन्याय-अनीति के विरोध में इतने बड़े सामूहिक प्रतिरोध का संगठन करने की

ii) विदेशी शासन का विरोध करने की

iii) गांधीजी के अफ्रीका में भारतीयों को जागरूक करने की

iv) इनमें से कोई नहीं

7. अन्याय-अनीति में विलोम शब्दों का सही जोड़ा है -

i) न्याय -अनीति

ii) नीति-अनीति

iii) न्याय-नीति

iv) न्याय-अन्याय

8. गांधी जी ने अपने प्रतिरोध में किस मुख्य बात को ध्यान में रखा ?

i)प्रतिरोध में कहीं भी कटुता, प्रतिशोध की भावना या अनैतिक बात न हो जिससे भारत का अपयश हो

ii) प्रतिरोध से भारत विश्व-मंच पर प्रसिद्ध हो

iii) प्रतिरोध से जनता प्रतिशोध लेने को तत्पर हो जाए

iv) अनीति का बदला अनीति से लिया जाए

9. सुंदर मानवीय गुण मनुष्य को -

i) घमंडी बना देते हैं

ii) मनुष्य नहीं रहने देते

iii) दूसरों से दूर कर देते हैं

iv) बेहतर मनुष्य बनाते हैं

10. 'काले-गोरे', 'अन्याय-अनीति', ऊँच-नीच' में कौन-सा समास है -

i) कर्मधारय समास

ii)द्वंद्व समास

iii) तत्पुरुष समास

iv) द्विगु समास

पश्न 2) निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

बहती रहने दो मेरी धमनियों में
जन्मदात्री मिट्टी की गंध,
मानवीय संवेदनाओं की पावनी गंगा,
सदा-सदा को- वांछित रह सकने वाले
पसीने की खरी यमुना ।
शपथ खाने दो मुझे
केवल उस मिट्टी की
जो मेरे प्राणों का आदि है,
मध्य है,
अन्त है ।
सिर झुकाओ मेरा
केवल उस स्वतंत्र वायु के सम्मुख
जो विश्व का गरल पीकर भी
बहता है
पवित्र करने को कण-कण ।
क्योंकि
मैं जी सकता हूँ,
केवल उस मिट्टी के लिए,
केवल इस वायु के लिए ।
क्योंकि
मैं मात्र साँस लेती
खाल होने नहीं चाहता ।

1. " जन्मदात्री मिट्टी की गंध " पंक्तियों में कवि की अभिव्यक्त इच्छा का स्वरूप है-
   क) मातृभूमि के प्रति गहन अनुराग
   ख) वर्षा से भीगी मिट्टी की गंध
   ग) अन्न उपजाने वाली मिट्टी की महक
   घ) जन्म देने वाली माँ के प्यार की लालसा

2. मानवीय संवेदनाओं की पावनी गंगा से कवि का आशय है-
   क) देशवासियों के सुख-दुःख की सहज अनुभूति
   ख) आपदाग्रस्त देशवासियों के प्रति सहानुभूति
   ग) पीड़ित मानवता के उद्धार की अभिलाषा

घ) मानवता के कल्याण हेतु गहन प्रेरणा

3. कवि शपथ लेना चाहता है देश की उस मिट्टी की जो उसके-
   क) जीवन को बनाने वाली है
   ख) जीवन की सर्वस्व है
   ग) रग-रग में व्याप्त है
   घ) प्राणों का आधार है

4. मात्र साँस लेती खाल का आशय है-
   क) पुरुषार्थहीन जीवन
   ख) निष्प्राण जीवन
   ग) निरुद्देश्य जीवन
   घ) दिशाहीन जीवन

5. पवित्र करने को कण-कण में अलंकार है
   क) यमक
   ख) अनुप्रास
   ग) श्लेष
   घ) उपमा

अथवा

जग पति कहाँ? अरे, सदियों से वह तो हुआ राख की ढेरी,
वरन समता-संस्थापन में लग जाती क्या इतनी देरी?
छोड़ आसरा अलख शक्ति का; रे नर, स्वयं जगपति तू है,
तू यदि जूठे पत्ते चाटे, तो मुझ पर लानत है, थू है !

कैसे बना रूप यह तेरा, घृणित, पतित, वीभत्स, भयंकर!
नहीं याद क्या तुझको, तू है चिर सुंदर, नवीन प्रलयंकर?
भिक्षा-पात्र फेंक हाथों से, तेरे स्नायु बड़े बलशाली,
अभी उठेगा प्रलय नींद से, तनिक बजा तू अपनी ताली ।

ओ भिखमंगे, अरे पराजित, ओ मजलूम, अरे चिरदोहित
तू अखंड भंडार शक्ति का; जाग, अरे निद्रा- सम्मोहित,
प्राणों को तड़पाने वाली हुंकारों से जल-थल भर दे,
अनाचार के अंबारों में अपना ज्वलित पलीत धर दे ।

भूखा देख तुझे गर उमड़े आंसू नयनों में जग-जन के
तो तू कह दे : नहीं चाहिए हमको रोने वाले जनखे;
तेरी भूख, असंस्कृत तेरी, यदि न उघाड़ सकें क्रोधानल
तो फिर समझूंगा कि हो गई सारी दुनिया कायर निर्बल ।

1. कवि पहली दो पंक्तियों में किस समस्या की ओर संकेत करता है?
   क) अशिक्षा की
   ख) ऊँच-नीच और असमानता की
   ग) जनसंख्या की
   घ) सांप्रदायिक भेदभाव की

2. 'छोड़ आसरा अलख शक्ति का; रे नर, स्वयं जगतपति तू है - इस पंक्ति में कवि मानव को क्या प्रेरणा देता है?
   क) भाग्य पर कर्म पर विश्वास करना चाहिए
   ख) आत्मनिर्भर बनना ज़रूरी है
   ग) जूठे पत्ते नहीं चाटने चाहिए
   घ) दूसरों का आश्रय छोड़ देना चाहिए
3. ' मनुष्य को अपने असीमित बल को पहचानना चाहिए' - यह किस पंक्ति का भाव है -
   क) अभी उठेगा प्रलय नींद से, तनिक बजा तू अपनी ताली
   ख) प्राणों को तड़पाने वाली हुंकारों से जल-थल भर देश
   ग) तू अखंड भंडार शक्ति का; जाग, अरे निद्रा- सम्मोहित
   घ) तेरी भूख, असंस्कृत तेरी, यदि न उभाड सकें क्रोधानल.
4. 'अनाचार के अंबारों में अपना ज्वलित पलीत धर दे '-पंक्ति का भाव है
   क) हमें अपनी शक्ति पहचानना चाहिए
   ख) भिक्षा- पात्र फेंक अपने सामर्थ्य को पहचानना चाहिए
   ग) किसी के आगे गिड़गिड़ाना नहीं चाहिए
   घ) दुर्व्यवहार के प्रति आवाज़ उठानी चाहिए
5. कवि दुनिया को कब 'कायर' और 'निर्बल' समझता है?
   क) जब गरीबी, भूख और लाचारी पर क्रोध नहीं आता
   ख) जब भूखे को देख दुनिया की आँख नहीं भरती
   ग) जब जूठे पत्ते चाहते हुए भिखारी को देखकर भी दुनिया अनदेखा करती है
   घ) जब हाथ पसारे बच्चों को देखकर दुनिया का मन नहीं पसीजता

3) "अभिव्यक्ति और माध्यम" पाठ्य पुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनिए: 1x5=5

क) समाचार पत्र का सबसे महत्वपूर्ण पृष्ठ माना जाता है -

i)प्रथम पृष्ठ ii) संपादकीय पृष्ठ

iii) देश दुनिया iv) अंतिम पृष्ठ

ख) आंकड़ों को प्रस्तुत करने के लिए समाचार पत्रों या चैनलों में प्रयोग किया जाता है -

i) सिस्मोग्राफ ii) जियोग्राफ

iii) कार्टोग्राफ iv) इनमें से कोई नहीं

ग) सरकार की गड़बड़ियों का पर्दाफाश करने वाली पत्रकारिता कहलाती है -

i) विशेषीकृत पत्रकारिता ii) एडवोकेसी पत्रकारिता

iii) पेजथ्री पत्रकारिता iv) वाचडॉग पत्रकारिता

घ) जो मीडिया स्थापित व्यवस्था के विकल्प को सामने लाने का कार्य करता है उसे कहते हैं -

i) एडवोकेसी पत्रकारिता ii) वैकल्पिक पत्रकारिता

iii) पेजथ्री पत्रकारिता iv) खोजपरक पत्रकारिता

ङ) पत्रकार में यह गुण होना अनिवार्य है -

i) चापलूसी करना ii) अच्छा वक्ता होना

iii) संदेह करना iv) ज़िद्दी होना

4) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनकर लिखिए: 1x5=5

प्रात नभ बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लिखा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल जरा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो
और...
जादू टूटता है इस उषा का
अब सूर्योदय हो रहा है ।

i. ये पंक्तियाँ किस कविता से ली गई हैं ?

क) एक गीत ख) कविता के बहाने

ग) उषा घ) बगुलों के पंख

ii. इन पंक्तियों के कवि हैं-

क) कुंवर नारायण ख) हरिवंश राय बच्चन

ग) रघुवीर सहाय घ) शमशेर बहादुर सिंह

iii. भोर और प्रात किसके पर्यायवाची हैं

क) रात्रि ख) दिवस ग) उषा घ) संध्या

iv. इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार हैं -

क) उपमा अलंकार ख) उत्प्रेक्षा अलंकार

ग) मानवीकरण अलंकार घ) उपर्युक्त तीनों

v. कविता में चित्रण है-

क) गाँव की सुबह का ख) शहर की सुबह का

ग) महानगर की शाम का घ) जंगल का

5) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उत्तर का सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1x5=5

भक्तिन के संस्कार ऐसे हैं कि वह कारागार से वैसे ही डरती है, जैसे यमलोक से । ऊँची दीवार देखते ही, वह आँख मूंदकर बेहोश हो जाना चाहती है । उसकी यह कमज़ोरी इतनी प्रसिद्धि पा चुकी है कि लोग मेरे जेल जाने की संभावना बता-बताकर उसे चिढ़ाते रहते हैं । वह डरती नहीं, यह कहना असत्य होगा, पर डर से भी अधिक महत्व मेरे साथ का ठहरता है । चुपचाप मुझसे पूछने लगती है कि वह अपनी कै धोती साबुन से साफ़ कर ले, जिससे मुझे वहाँ उसके लिए लज्जित न होना पड़े । क्या-क्या सामान बाँध ले, जिससे मुझे वहाँ किसी प्रकार की असुविधा न हो सके । ऐसी यात्रा में किसी को किसी के साथ जाने का अधिकार नहीं, यह आश्वासन भक्तिन के लिए कोई मूल्य नहीं रखता । वह मेरे न जाने की कल्पना से इतनी प्रसन्न नहीं होती, जितनी अपने साथ न जा सकने की संभावना से अपमानित । भला ऐसा अंधेर हो सकता है । जहाँ मालिक वहाँ नौकर- मालिक को ले जाकर बंद कर देने में इतना अन्याय नहीं; पर नौकर को अकेले मुक्त छोड़ देने में पहाड़ के बराबर अन्याय है । ऐसा अन्याय होने पर भक्तिन को बड़े लाट तक लड़ना पड़ेगा । किसी की माई यदि बड़े लाट तक नहीं लड़ी तो नहीं लड़ी; पर भक्तिन का तो बिना लड़े काम ही नहीं चल सकता ।

क) भक्तिन किस बात से डरती थी ?

i) यमलोक से ii) ऊँची दीवारों से

iii) जेल जाने से iv) मालकिन के जेल जाने से

ख) लोग भक्तिन को क्या कह कर चिढ़ाते थे ?

i) उसकी मालकिन को जेल हो जाएगी

ii) उसे जेल हो जाएगी

iii) उसकी मालकिन उसे हटा देगी

iv) उसकी मालकिन उसे मार देगी

ग) स्वयं के जेल जाने से ज्यादा भक्तिन किस बात को महत्व देती थी ?

i) मालकिन के जेल जाने को

ii) मालकिन के साथ रहने को

iii) साफ़ कपड़े तैयार रखने को

iv) अपनी नौकरी को

घ) भक्तिन मानती है -

i) जहाँ मालिक हो वहीं नौकर को भी बंद होना चाहिए

ii) नौकर को अकेले छोड़ना अन्याय है

iii) ऐसा अन्याय होने पर उसे बड़े लाट तक जाना ही होगा

iv) उपर्युक्त सभी विकल्प सही हैं

ङ) भक्तिन का तो लड़े बिना काम ही नहीं चल सकता, क्योंकि -

i) वह बहुत झगड़ालू है ।

ii) वह अन्याय नहीं सह सकती ।

iii) उसकी बात कोई नहीं सुनता ।

iv) वह लोगों को परेशान करना चाहती है ।

6): पूरक पुस्तक 'वितान' के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर का सही विकल्प चुनिए: 1x10

क) सिल्वर वेडिंग कहानी की मूल संवेदना क्या है ?

i) पीढ़ियों के अन्तराल की समस्या

ii) मानवीय मूल्यों का ह्रास

iii) यशोधर बाबू की पुरानी सोच

iv) उपर्युक्त सभी

ख) यशोधर बाबू अपनी बातचीत में जब कुछ अनुचित पाते तो वे क्या कहते ?

i) समहाउ इम्प्रॉपर

ii) एनी वे

iii) यह सब गलत है

iv) जो हुआ होगा

ग) जूझ कहानी में लेखक के कक्षाध्यापक कौन थे ?

i) मंत्री मास्टर

ii) रणनवरे मास्टर

iii) मास्टर सौंदलगेकर

iv) दत्ताजी राव

घ) जूझ कहानी का मुख्य पात्र है -

i) दत्ताजी राव

ii) आनंद

iii) वसंत पाटिल

iv) सौन्दलगेकर मास्टर

ङ) 'सिन्धु घाटी की सभ्यता' को साधन सम्पन्न सभ्यता किस आधार पर कहा जा सकता है ?

i) सुनियोजित नगरों, अच्छी सड़कों की योजना तथा उनके धातु ज्ञान के आधार पर

ii) उनके नगरों में पानी की अच्छी व्यवस्था थी

iii) वे खेती करना जानते थे पर उनके पास यातायात के साधन नहीं थे

iv) विकल्प एक तथा दो सही हैं

च) मुअनजोदड़ो के अजायबघर में किसी हथियार का न मिलना, राजमहल न होना, मंदिर न होना किस बात का द्योतक है ?

i) यह सभ्यता विकसित न थी

ii) इस सभ्यता के लोग हथियारों का प्रयोग करना नहीं जानते थे

iii) यह सभ्यता स्वानुशासित थी, यहाँ सत्ता का कोई केंद्र नहीं था

iv) इस सभ्यता के लोग राजमहल बनाना नहीं जानते थे

छ) खुदाई के दौरान मिले महाकुंड के विषय में कौन-सा तथ्य गलत है -

i) तालाब की लम्बाई चालीस फुट, चौडाई पच्चीस फुट तथा गहराई सात फुट है

ii) कुंड में दक्षिण और पश्चिम से सीढ़ियाँ उतरती हैं

iii) कहीं भी साधुओं के कक्ष नहीं बनाए गए हैं

iv) उत्तर की दिशा में सात स्नानघर हैं जिनमें किसी का भी द्वार दूसरे के सामने नहीं खुलता है

ज) दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान यहूदी लोगों को भूमिगत क्यों होना पड़ा ?

i) उन्होंने भूमिगत होने की प्रतिज्ञा ली थी कि वे दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी का साथ नहीं देंगे

ii) दूसरे विश्युद्ध के दौरान जर्मनी ने यहूदियों पर बहुत अत्याचार किये, लाखों की संख्या में उन्हें मारा गया, इन यातनाओं से बचने के लिए यहूदी भूमिगत होकर अज्ञातवास के लिए मजबूर थे

iii) यहूदी लोगों ने अपनी संपत्ति भूमिगत कर रखी थी

iv) इनमें से कोई भी विकल्प सही नहीं है

झ) ऐन फ्रेंक ने अपनी डायरी में स्त्रियों के विषय में क्या बताया है ?

i) समाज में स्त्रियों की स्थिति अन्यायपूर्ण है

ii) शारीरिक अक्षमता व अधिक कमजोरी के बहाने पुरुष स्त्रियों को घर में बाँधकर रखते हैं

iii) औरतें अपनी बेवकूफी की वजह से कष्ट, उपेक्षा और असम्मान सहन करती हैं

iv) सभी कथन सही हैं

ञ) ऐन फ्रेंक की डायरी की प्रसिद्धि का कारण है -

i) दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान यहूदियों पर हुए अत्याचारों की कहानी बयान करने वाली यह डायरी महत्त्वपूर्ण दस्तावेज़ बन चुकी है

ii) इससे यहूदी लोगों में जागरूकता आई

iii) डायरी किशोरावस्था में ऐन की प्रकृति पर प्रकाश डालती है

iv) डायरी में ऐन ने अपनी भावनाएँ व्यक्त की हैं

खंड-ब (वर्णनात्मक)

7) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्द में रचनात्मक लेख लिखिए: 5

i) काश! मैं उड़ पाता / पाती

ii) जहाँ न पहुँचे रवि वहाँ पहुँचे कवि

iii) परीक्षा कैसे ली जाए!

8) आपके क्षेत्र में एक सड़क को चौड़ा करने के बहाने आवश्यकता से अधिक पेड़ काटे गए हैं । इसकी जानकारी देते हुए वन और पर्यावरण विभाग को लगभग पत्र लिखिए ।

अथवा

किसी प्रमुख दैनिक समाचार पत्र के संपादक को गाँव में चिकित्सा- सुविधाओं के अभाव का उल्लेख करते हुए विशेष सुविधाओं वाला अस्पताल खोलने का सुझाव प्रकाशित करने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए।

9) (क) कविता में बिंब और छंद का क्या महत्त्व होता है? 3x1=3

अथवा

कहानी में कथानक के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए?

(ख) निम्नलिखित में से ***<u>किसी एक</u>*** का उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2x1=2

i) कहानीकार चरित्र-चित्रण किस प्रकार कर सकता है?

ii) नाटक में 'शब्द' का क्या महत्त्व है?

10 (क) समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली से आप क्या समझते हैं? 3x1=3

अथवा

फ़ीचर लिखते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना आवश्यक है

(ख) समाचार लेखन के छः ककार कौन-कौन-से हैं? 2x1=2

अथवा

आलेख लेखन फीचर लेखन से कैसे भिन्न है ?

11) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3x2=6

I. 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता में पक्षी तो लौटने के लिए व्याकुल हैं किन्तु कवि के हृदय में घर लौटने का उत्साह नहीं है । ऐसा क्यों?

II. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में निहित क्रूरता को उजागर कीजिए।

III. 'कविता के बहाने' के आधार पर 'सब घर एक कर देने' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

प्र 12) निम्नलिखित में से ***<u>किन्ही दो</u>*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2x2=4

अ) "आइ गयो हनुमान जिमि करुना मँह बीर रस"- इस पंक्ति के आधार पर हनुमान के आगमन का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

आ) "आँगन में ठुनक रहा है, ज़िदयाया है, बालक तो हई चाँद पै ललचाया है" पंक्तियों का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

इ) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि ने "गरबीली गरीबी" शब्द का प्रयोग किया है । कवि द्वारा गरीबी के इस विशेषण का प्रयोग सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

प्र 13) निम्नलिखित में से ***<u>किन्हीं दो</u>*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3x2 =6

क) लेखक के अनुसार दासता की व्यापक परिभाषा क्या है? 'श्रम-विभाजन और जाति-प्रथा' पाठ के आधार पर लिखिए ।

ख) 'भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा'- महादेवी के इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

ग) 'नमक' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए ।

प्र ९. निम्नलिखित में से ***<u>किन्हीं दो</u>*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2x2=4

अ) लेखक ने बाज़ार का जादू किसे कहा है, इसका क्या प्रभाव पड़ता है?

ब) पाठ 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर बताइए इंदरसेना के संबंध में लेखक का क्या दृष्टिकोण है?

स) लुट्टन ने अपना गुरु किसे माना और क्यों?